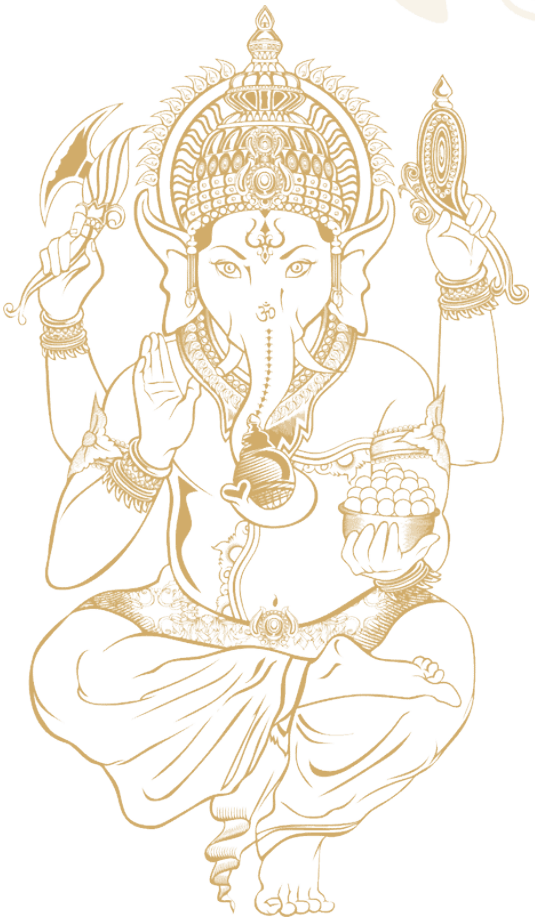

B

G

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121458106

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/03/1998	जन्म तिथि	30/10/1997
सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 16:40:00	जन्म समय	21:50:00 घंटे
घटी 25:29:44	जन्म समय(घटी)	38:06:54 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Ajmer
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:29:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	74:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:28:06	सूर्योदय	06:39:25
18:39:02	सूर्यास्त	17:50:26
23:49:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:31

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 2वर्ष 2मा 12दि	13:06:16	सिंह	लग्न	मिथु	16:13:16	मंगल 0वर्ष 9मा 6दि
राहु	08:47:11	मीन	सूर्य	तुला	13:27:18	गुरु
05/06/2017	05:06:26	मक	चंद्र	तुला	05:12:07	07/08/2016
05/06/2035	20:37:26	मीन	मंगल	वृश्चि	29:02:44	07/08/2032
राहु 16/02/2020	26:26:44	मीन	बुध	तुला	23:58:18	गुरु 25/09/2018
गुरु 11/07/2022	17:23:36	कुंभ	गुरु	मक	19:05:36	शनि 07/04/2021
शनि 17/05/2025	22:23:04	मक	शुक्र	धनु	00:20:58	बुध 14/07/2023
बुध 05/12/2027	26:52:50	मीन	शनि व	मीन	21:31:29	केतु 19/06/2024
केतु 22/12/2028	16:33:38	सिंह	राहु व	सिंह	25:01:55	शुक्र 18/02/2027
शुक्र 23/12/2031	16:33:38	कुंभ	केतु व	कुंभ	25:01:55	सूर्य 07/12/2027
सूर्य 16/11/2032	17:42:17	मक	हर्ष	मक	11:01:24	चन्द्र 07/04/2029
चन्द्र 18/05/2034	07:51:20	मक	नेप	मक	03:29:06	मंगल 14/03/2030
मंगल 05/06/2035	14:11:26	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	10:34:26	राहु 07/08/2032

लग्न-चलित

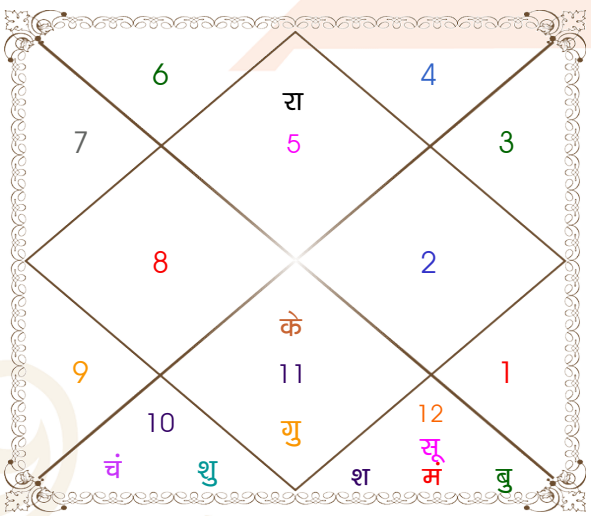

लग्न-चलित

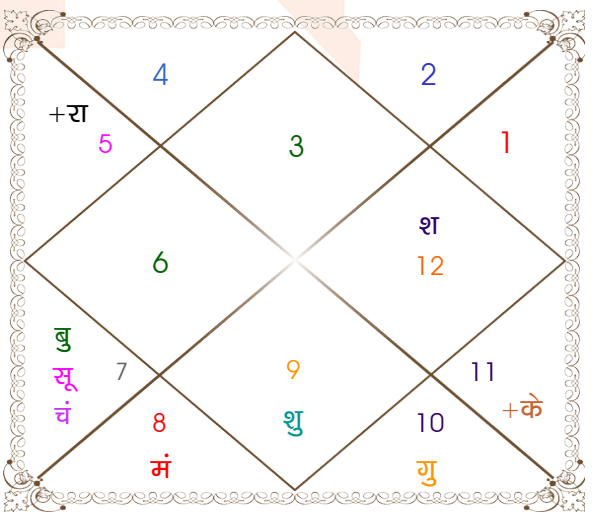

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

B का वर्ग सिंह है तथा G का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार B और G का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

G मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु G कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

B तथा G में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।